एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से निकाले 31,575 करोड़

नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना

21 मार्च से 28 मार्च तक एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे

में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं, क्योंकि अमेरिका और चीन दोनों ही मौजूदा व्यापार युद्ध के चलते अपरिहार्य सुस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

बाबा रामदेव की शरबत जिहाद को लेकर आलोचना, वीडियो में योग गुरु ने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया

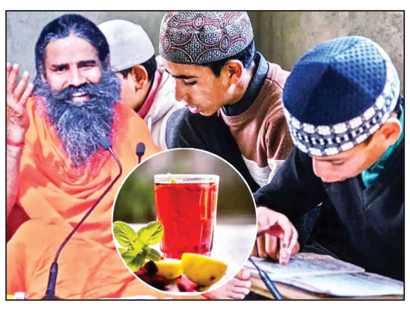

नई दिल्ली। पतंजलि योग गुरु बाबा रामदेव की आयुर्वेद कंपनी ने हाल ही में अपने नए विज्ञापन के माध्यम से धर्म के मामले पर चर्चा खड़ी की है। इस विज्ञापन में पतंजलि ने पुराने ढर्रे वाले शरबत ब्रांडों पर धन और धर्म की बर्बादी का तर्क दिया है। उन्होंने ग्राहकों से उनकी शरबत को सबसे आगे रखने की अपील की है, इसके साथ ही बाबा रामदेव द्वारा एक वीडियो में किए गए शरबत जिहाद के दावे को लेकर आलोचना भी दी गई है। बाबा रामदेव के वीडियो में उन्होंने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया है, और उन्होंने इसे गर्मियों में प्यास बुझाने के बहाने से जहर के समान बताया है। इसी कंटेंट में रामदेव ने कहा है कि एक शरबत बेचने वाली कंपनी अपने कमाई का हिस्सा मस्जिद और मदरसे बनाने में खर्च करती है, जिसे उन्होंने शरबत जिहाद कहा है। यह कंट्रोवर्शल बयान ने लोगों में मीडिया और सामाजिक मंचों पर बहुत ही चर्चा का विषय बन दिया है। बाबा रामदेव की शरबत जिहाद पर आलोचना और पतंजलि की धर्म पर आधारित विज्ञापन ने भारतीय समाज में खुद विचार करने पर मजबूर कर दिया है। विज्ञापनों और सोशल मीडिया के इस युद्ध ने भारतीय जनता को इस सच्चाई का सामना करने पर मजबूर किया है कि किस तरह कंपनियां अपने उत्पादों को बेचने के लिए अलग-अलग रास्ते चुन रही हैं ।

अमेरिका ने स्मार्टफोन और लैपटॉप पर टैरिफ हटाया

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को हटा दिया है, जिससे वैश्विक टेक जगत में एक उत्साहपूर्ण तेजी की लहर दौड़ गई है। यह नया फैसला 5 अप्रैल से लागू हो गया है और एप्पल, सैमसंग, जैसे बड़ी कंपनियों के लिए एक प्रकार से राहत की किरण बन सकता है। इस निर्णय से कुछ देश अवसरों से भरपूर महसूस कर रहे हैं, हालांकि चीन को तुरंत लाभ मिलेगा। चीन ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने का जवाब देकर अपने द्वारा भी ऐसे उत्पादों पर कर बढ़ा दिया है जिससे अमेरिका को चीनी उत्पादों में सस्ताई की संभावना है। भारत के लिए भी इस निर्णय से अवसर है, लेकिन भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह इस अवसर का सही तरीके से फायदा उठा सके और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस निर्णय से भारत को नया धारा मिल सकता है और वह इसे अच्छे से उपयोग कर सकता है ।

पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर, पेट्रोल-डीजल से केंद्र और राज्य सरकारों ने 5 साल में 35 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतें चार साल के सबसे निचले स्तर (65.41 डॉलर प्रति बैरल) आ गई हैं। इससे पहले अप्रैल 2021 में दाम 63.40 डॉलर प्रति बैरल थे। इस गिरावट से पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। रेटिंग एजेंसियों के अनुसार मौजूदा समय में तेल कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 12-15 रुपए और डीजल पर रुपए 6.12 का मुनाफा हो रहा है। इसके बावजूद, तेल कंपनियों ने पिछले एक साल से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं की है। हाल ही में संभावना थी कि तेल कंपनियां दाम घटाएंगी। लेकिन सरकार ने 2 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी। इसकी आड़ में कंपनियां दाम घटाने से बच गईं। लंबे समय से तेल कंपनियां घाटे का हवाला देकर दामों में कटौती से बच रही हैं। जबकि, हकीकत ये है कि पिछले 5 सालों में 7 बड़ी तेल-गैस कंपनियों में केवल एक आईओसी को एक बार 2019-20 में मामूली घाटा हुआ था। इसे छोड़ दिया जाए तो ये कंपनियां साल दर साल भारी मुनाफा कमा रही हैं।

पिछले सप्ताह बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव रहा

सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में हुआ सुधार

नई दिल्ली

हाल ही में बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले सप्ताह ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। साथ ही, मंडियों में किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए हैं। बीते हफ्ते में आप ने देखा होगा कि सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में सुधार हुआ है।

इसके पीछे का कारण थी अप्रैल महीने में किसानों के आवक में कमी और चीन से सरसों डीओसी की मांग। किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव सुधार के साथ बंद हो गए हैं। इससे उन्हें नुकसान हो सकता है और उन्हें उचित दाम नहीं मिल सकता। सरकार को इसे सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने होंगे। इस तरह, बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये के सुधार के साथ 6,375-6,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 350 रुपये के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये सुधरकर क्रमशः 2,380-2,480 रुपये और 2,380-2,505 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 300 रुपये, 250 रुपये और 175 रुपये मजबूत होकर क्रमशः 13,700 रुपये, 13,400 रुपये और 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये और 15 रुपये सुधरकर क्रमशः 14,250 रुपये और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। दूसरी ओर, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।सुधार के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 200 रुपये मजबूत होकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ओला इलेक्ट्रिक के बिक्री के आंकड़ों को लेकर विवाद

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के बिक्री को लेकर जारी किए गए आंकड़ों पर विवादों में घिरी हुई है। फरवरी 2025 में जारी हुए आंकड़े को लेकर पांच हफ्ते बीतने के बाद भी कंपनी को सफाई देनी पड़ रही है। वजह है कंपनी द्वारा बताए गए 25,000 यूनिट्स की बिक्री और व्हीकल रजिस्ट्रेशन के आधिकारिक आंकड़ों के बीच भारी अंतर। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को दिए जवाब में ओला ने ऐसे वाहनों को भी शामिल कर लिया, जो बाजार में लॉन्च ही नहीं हुए थे। 9 अप्रैल को ओला इलेक्ट्रिक ने एक्सचेंजों को एक बयान जारी कर बताया कि फरवरी की बिक्री की जानकारी उन कन्फर्म ऑर्डरों पर आधारित थी, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत ऑर्डर प्लेसमेंट के समय पूरी तरह भुगतान किए जा चुके थे। कंपनी के मुताबिक इन ऑर्डरों में जेन 3 और रोडस्टेर एक्स जैसे नए प्रोडक्ट भी शामिल थे, जो फरवरी में फुल पेमेंट के साथ खरीदे जा सकते थे। हालांकि, सच्चाई यह है कि ओला इलेक्ट्रिक ने फरवरी में वाहन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बाहरी एजेंसियों से हटाकर इन-हाउस कर दी थी, जिससे देशभर के आरटीओ के साथ उनके संबंधों में बाधा आई और रजिस्ट्रेशन डेटा प्रभावित हुआ। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बताते हैं कि फरवरी में ओला की सिर्फ 8,649 यूनिट्स ही रजिस्टर्ड हुईं, जो कंपनी के दावे की एक तिहाई है। 1 मार्च को सामने आए इन आंकड़ों ने सवाल खड़े कर दिए कि जब वाहन रजिस्ट्रेशन के बिना उन्हें बेचा नहीं जा सकता, तो फिर ओला के 25,000 यूनिट्स की बिक्री का दावा कैसे सही हो सकता है। केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, वाहन की डिलीवरी से पहले उसका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। अब ओला इलेक्ट्रिक पर आरोप है कि उसने निवेशकों और आम जनता को गुमराह करने के लिए बिक्री के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया।

टाटा अल्ट्राज रेसर पर मिल रही छूट

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने 2024 में अल्ट्राज रेसर को लॉन्च करते हुए इसे एक देसी हॉट हैचबैक के रूप में पेश किया था। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस है और अल्ट्राज रेसर को 0 से 100 केएमपीएच की रफ्तार तक महज 11 सेकंड में पहुंचा सकता है। यह कार अल्ट्राज के रेग्युलर मॉडल पर आधारित है, लेकिन इसमें ज्यादा पावरफुल 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 118 बीएचपी और 170 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी ने इस स्पोर्टी कार को फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, सनरूफ, स्पोर्टी एग्जॉस्ट साउंड और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स के साथ पेश किया था। हालांकि, खरीदारों से इस कार को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला और इसकी सेल्स कंपनी की अपेक्षाओं से काफी कम रही। अब टाटा मोटर्स अल्ट्राज रेसर की बिक्री बढ़ाने के लिए इस पर भारी छूट दे रही है। रेस ट्रैक पर इसके शानदार ड्राइविंग डायनामिक्स इसे अपने सेगमेंट की अन्य कारों की तुलना में तेज बनाते हैं। कंपनी को उम्मीद है कि नई छूट के साथ यह कार ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित कर सकेगी। एमवाय 2024 मॉडल पर कुल 1.35 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है, जिसमें 85,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 50,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस या एक्सचेंज ऑफर शामिल है। फिलहाल मुंबई में इस कार की ऑन-रोड कीमत 11.01 लाख रुपये से शुरू होकर 12.94 लाख रुपये तक जाती है। इस बजट में अल्ट्राज रेसर एक परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड, फीचर-लोडेड कार के रूप में उभरती है।

रेटिंग के साथ टाटा स्टील में तेजी की संभावना, टाटा स्टील का शेयर 4.95 फीसदी बढ़कर 133.47 रुपए पर बंद हुआ

नई दिल्ली। टाटा स्टील लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को एक शानदार बढ़त देखने को मिली। इस दिन के अंत तक, टाटा स्टील का शेयर 4.95 फीसदी बढ़कर 133.47 रुपये पर बंद हुआ। दिन की शुरुआत 134.67 रुपये से हुई थी और यह शेयर दिनभर के ट्रेडिंग के दौरान अच्छी बढ़त देखने को मिली। शुक्रवार को टाटा स्टील के शेयर ने 134.70 रुपये के साथ दिन का उच्चतम स्तर को छुआ। वहीं दिन का न्यूनतम स्तर 130.49 रुपये था। पूरे दिन के दौरान, यह शेयर 130.49 रुपये से 134.70 रुपये के बीच कारोबार करता रहा, जो इसकी स्थिरता और तेजी को दर्शाता है।

टाटा कर्व और कर्व-ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च

टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय कूपे एसयूवी टाटा कर्व और कर्व ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च कर दिए हैं। दोनों कार को ऑल-ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। ये लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर के साथ आती है। कर्व डार्क एडिशन हायर वैरिएंट अक्म्पलिश्ड एस और अक्म्पलिश्ड प्लस , जिसकी कीमत स्टैंडर्ड वैरिएंट से 32,000 रुपए ज्यादा है। शुरुआती कीमत 16.49 लाख रुपए वहीं, कर्व ईवी डार्क एडिशन सिर्फ टॉप स्पेक इम्पावर्ड+ ए वैरिएंट पर बेस्ड है, जिसकी कीमत रेगुलर मॉडल से 25,000 रुपए ज्यादा है। कर्व ईवीर डार्क एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 22.24 लाख रुपए रखी गई है। वहीं, कर्व आईसीई वर्जन की कीमत 16.49 लाख रुपए से शुरू होती है, जो 19.52 लाख रुपए तक जाती है।

रिजर्व बैंक खरीदेगा 40,000 करोड़ के सरकारी बॉन्ड

2028 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बांड शामिल

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वह 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) के जरिए खरीदेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है वित्तीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई लिक्विडिटी को संभालना। रिजर्व बैंक द्वारा खरीदे जाने वाले बॉन्ड मल्टीपुल विपरीतों के बीच से 2028 और 2039 में मैच्योर किए गए हैं। यह कदम आरबीआई के सिस्टम में शामिल होने वाले हाल ही के कदमों का एक और उदाहरण है जो लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए उठाए गए हैं।

इसके अलावा, 3 अप्रैल को आयोजित ओएमओ नीलामी में वित्तीय संस्थानों से 2029 और 2039 के बीच मैच्योर किए गए बॉन्ड पर 80,820 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। इसके अतिरिक्त, 8 अप्रैल की नीलामी में 2032 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बॉन्ड पर 70,144 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। आगामी 3, 8, 22 और 29 अप्रैल को भी 20,000 करोड़ रुपए की चार बराबर किस्तों में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा आरबीआई ने मार्च में भी 50,000 करोड़ रुपए की दो किस्तों में 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी सिक्योरिटीज की ओएमओ खरीद की थी। वहीं केंद्रीय बैंक ने 36 महीनों के लिए 10 बिलियन डॉलर की डॉलर-रुपया खरीद/बिक्री स्वैप नीलामी भी आयोजित की थी।

बाजार में 10 से 20 लाख रुपये कीमत की कारों ने बनाई जगह

नई दिल्ली

भारतीय कार बाजार में अब 10 से 20 लाख रुपये की रेंज में आने वाली कारों ने अपनी खास जगह बना ली है। इन कारों में न केवल दमदार फीचर्स हैं, बल्कि साइज, परफॉर्मेंस और किफ़ायत के लिहाज़ से भी ये खरीदारों को खूब लुभा रही हैं। खास बात यह है कि इस मूल्य वर्ग में कॉम्पैक्ट एसयूवी से लेकर एमपीवी तक कई सेगमेंट के मॉडल मिलते हैं। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में हाल ही में लॉन्च हुई किआ सिरोस ने बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इसकी कीमत 9 लाख रुपये से शुरू होकर 17.80 लाख रुपये तक जाती है। इसमें ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले, डुअल सनरूफ और लेवल-2 अडास जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सिरोस पेट्रोल और डीजल दोनों विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन शामिल हैं। मिड-साइज़ एसयूवी की बात करें तो हुंडई क्रेटा इस सेगमेंट में लंबे समय से बादशाह बनी हुई है। 11.11 लाख से शुरू होकर

20.50 लाख रुपये तक की कीमत वाली इस एसयूवी में तीन इंजन विकल्प मिलते हैं और यह पेट्रोल व डीजल दोनों में उपलब्ध है। वहीं, सेडान पसंद करने वालों के लिए वोक्सवैगन वर्टस एक शानदार विकल्प है। इसकी कीमत 11.56 लाख से लेकर 19.40 लाख रुपये तक है। इसमें 40 से अधिक सेफ्टी फीचर्स के साथ-साथ शानदार इंटीरियर और टर्बो पेट्रोल इंजन के दो विकल्प मौजूद हैं। अगर किसी को 7-सीटर एमपीवी चाहिए तो मारुति सुजुकी एर्टिगा सबसे भरोसेमंद नाम है। इसकी कीमत 8.84 लाख से 13.13 लाख रुपये तक है।

बाइक सीबी300आर की कुछ यूनिट्स को वापस मंगवाने का फैसला

नई दिल्ली। अपनी प्रीमियम बाइक सीबी300आर की कुछ यूनिट्स को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने हेडलाइट से जुड़ी तकनीकी खामी के कारण वापस मंगवाने का फैसला किया है। यह रिकॉल 2018 से 2020 के बीच निर्मित यूनिट्स के लिए लागू होगा। कंपनी ने यह कदम वैश्विक स्तर पर उठाए गए ऐसे ही सुधारात्मक एक्शन के अनुरूप उठाया है। कंपनी का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह एहतियातन है और इसके तहत प्रभावित यूनिट्स के खराब हिस्सों को बदला जाएगा। कंपनी ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे 'होंडा बिगविंग' वेबसाइट पर जाकर अपनी बाइक की विशिष्ट वाहन पहचान संख्या (वीआईएन) दर्ज करें, जिससे यह पता लगाया जा सके कि उनकी बाइक इस रिकॉल अभियान के तहत आती है या नहीं। यदि वीआईएन नंबर प्रभावित बैच से मेल खाता है, तो ग्राहक नजदीकी सर्विस सेंटर पर जाकर फ्री में मरम्मत करा सकते हैं। होंडा सीबी300आर एक प्रीमियम कैटेगरी की बाइक है जिसकी दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत करीब 2.40 लाख रुपये है और ऑन रोड कीमत लगभग 2.73 लाख रुपये तक जाती है। मार्च 2022 में लॉन्च हुई अपडेटेड सीबी300आर में नया बीएस-6 इंजन दिया गया है, हालांकि बाइक के बाकी फीचर्स और स्पेसिफिकेशन लगभग पहले जैसे ही हैं। इस तरह की तकनीकी समस्याओं से ब्रांड की साख पर असर पड़ सकता है, लेकिन कंपनी की ओर से समय रहते उठाया गया।